UNIVERSITY NEWS 09 AUGUST 2026

HINDUSTAN

एलयू में विद्यार्थी दो किस्त में जमा कर सकते हॉस्टल शुल्क

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रहने वाले छात्र-छात्राओं को फीस एकमुश्त जमा करने में परेशानी होने पर दो किस्तों में शुल्क जमा करने की सुविधा मिल सकेगी। हालांकि इसके लिए कुलपति की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। विवि प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी छात्र की समस्या वास्तविक पाए जाने पर ही दो किस्तों में फीस जमा की अनुमति दी जाएगी।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि जिन छात्रों का एक मुश्त हॉस्टल शुल्क जमा करने में समस्या है और दो किस्तों में शुल्क जमा करना चाहते हैं तो इसके लिए छात्र को पहले प्रोवोस्ट के माध्यम से हॉस्टल अलॉटमेंट कमेटी को प्रार्थना पत्र देना होगा। कमेटी छात्र की समस्या की जांच करेगी। मामला उचित पाए जाने पर आवेदन कुलपति के पास भेजा जाएगा। कुलपति की मंजूरी मिलने के बाद ही छात्र को दो किस्तों में हॉस्टल शुल्क जमा करने की अनुमति दी जाएगी। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने हॉस्टल मेस शुल्क में बढ़ोतरी की खबरों को भी खारिज किया है। प्रशासन ने कहा है कि मेस फीस में कोई वृद्धि नहीं की गई है।

लोहिया संस्थान व एलयू में अनुबंध

लखनऊ। लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने फिजियोथेरेपी के विद्यार्थियों का क्लीनिकल प्रशिक्षण और व्यावहारिक शिक्षा मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह के निर्देशन में हुये इस पांच वर्षीय समझौते के तहत छात्रों को पीएमआर, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और इमरजेंसी मेडिसिन आदि प्रमुख विभागों में विशेषज्ञ देखरेख में प्रशिक्षण मिलेगा।

HINDUSTAN

पीजी प्रवेश प्रक्रिया में नौ अगस्त तक जमा करना होगा शुल्क

एलयू: पीजी के 20 कोर्स के लिए सीट आवंटन जारी

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक (पीजी) प्रवेश सत्र 2026-27 के तहत ऑनलाइन काउंसलिंग में शामिल 20 पाठ्यक्रमों की सीट आवंटन सूची जारी कर दी है। इसमें 11 पाठ्यक्रमों की पहली सीट आवंटन सूची, छह पाठ्यक्रमों की दूसरी और तीन पाठ्यक्रमों की तीसरी सीट आवंटन सूची जारी की गई है।

पहली सीट आवंटन सूची में एमए अंग्रेजी, एमए राजनीति विज्ञान, एमए अर्थशास्त्र, एमए मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय इतिहास, एमए भूगोल, एमए समाजशास्त्र, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, एमएससी जूलॉजी, एमएससी बॉटनी, एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी शामिल हैं।

वहीं दूसरी सीट आवंटन सूची एमएससी स्टैटिस्टिक्स, एमएससी केमिस्ट्री, एमलिब.एससी और एमए एजुकेशन समेत संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए जारी की है। तीसरी सीट आवंटन सूची बीलिब.एससी., एमएससी एंथ्रोपोलॉजी, एमएससी बायोकेमिस्ट्री और एमएससी बायोटेक्नोलॉजी के लिए जारी की गई है। सीट मिलने के बाद अभ्यर्थियों को ऑनलाइन सीट कन्फर्मेशन फीस नौ अगस्त की रात 12 तक जमा करनी होगी।

वहीं एलयू ने परास्नातक प्रवेश सत्र के तहत चार पाठ्यक्रमों की प्रोविजनल कम्प्लीट मेरिट सूची जारी कर दी है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर मेरिट सूची अपलोड कर दी गई है।

11 पाठ्यक्रमों की पहली सीट आवंटन सूची जारी की विश्वविद्यालय ने

06 पाठ्यक्रमों की दूसरी और तीन की तीसरी सीट आवंटन सूची जारी की

केकेसी ने एलएलबी पहली मेरिट जारी की

लखनऊ। केकेसी में एलएलबी में प्रवेश के लिए पहली मेरिट सूची शनिवार को जारी कर दी गई। कॉलेज की वेबसाइट jnpg.ac.in पर मेरिट सूची उपलब्ध है। पहली मेरिट में स्थान पाने वाले अभ्यर्थियों की काउंसलिंग और प्रवेश प्रक्रिया 10 से 12 अगस्त तक सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक होगी।

एलएलबी की पहली मेरिट में ओपन वर्ग में पुरुष अभ्यर्थियों का कटऑफ 72.90 और महिला अभ्यर्थियों का 69.50 प्रतिशत रहा। ओबीसी में पुरुष 66.74 और महिला 63.36 प्रतिशत, एससी में पुरुष 61.14 और महिला 58.25 प्रतिशत रहा। ईडब्ल्यूएस में पुरुष अभ्यर्थियों का कटऑफ 65.11 और महिला अभ्यर्थियों का 64.62 प्रतिशत है। एसटी वर्ग में पुरुषों का कटऑफ जारी नहीं किया गया, जबकि महिलाओं का 53.67 प्रतिशत रहा। वहीं, दिव्यांग (पीएच) वर्ग में पुरुष अभ्यर्थियों का कटऑफ 53.94 और ओबीसी में 44 प्रतिशत रहा। रक्षा कर्मियों के पाल्यों (डीईएफ) में सामान्य वर्ग के पुरुषों का कटऑफ 63.31 और महिलाओं का 65.22 प्रतिशत तथा ओबीसी पुरुषों का 50.69 प्रतिशत रहा।

समन्वयक प्रवेश समिति प्रो. आरके पाण्डेय ने बताया कि निर्धारित समय में काउंसलिंग या फीस जमा नहीं करने पर अभ्यर्थी प्रवेश का अधिकार खो देगा।

AMAR UJALA

सेना में अधिकारी बने लविवि के राघव

लखनऊ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी लखनऊ विश्वविद्यालय के कैडेट राघव बाजपेयी ने संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा-द्वितीय, 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर 229वीं रैंक प्राप्त कर सेना में कमीशन अधिकारी का पद हासिल किया। राघव बाजपेयी को 20 अप्रैल 2026 को जालंधर स्थित 32 सेवा चयन बोर्ड में अनुशंसित किया गया। इससे पहले भी राघव राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की प्रवेश परीक्षाओं में 501वीं और 566वीं अखिल भारतीय रैंक प्राप्त कर चुके हैं। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि उनकी यह सफलता एनसीसी कैडेटों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। (संवाद)

सत्यांश ने सीएपीएफ में हासिल की 85वीं रैंक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी शोधार्थी सत्यांश वर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) परीक्षा में 85वीं रैंक हासिल की। वह वर्तमान में लविवि में पीएचडी कर रहे हैं। उनका शोध कार्य प्रो. प्रीति अवस्थी के मार्गदर्शन में चल रहा है। (संवाद)

AMAR UJALA

नशे पर नकेल जरूरी, निजता का भी रहे ख्याल

नशे पर लगाम के लिए उच्च शिक्षा मंत्री के निर्देशों का छात्रों ने किया स्वागत, विवि प्रशासन निर्देशों का पालन कराने को तैयार

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। नशे पर लगाम लगाने के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की ओर से दिए गए निर्देशों का छात्रों ने स्वागत किया है, लेकिन परिसर में सामान की चेकिंग को लेकर निजता का सवाल भी उठाया है। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि निर्देशों का पालन किया जाएगा, हालांकि गेट पर चेकिंग की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त संसाधन की जरूरत पड़ेगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के चीफ प्रोवोस्ट डॉ. आशीष अवस्थी ने कहा कि नशामुक्ति को लेकर छात्रों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है। गेट पर चेकिंग के लिए स्कैनर, इंफ्रास्ट्रक्चर और अतिरिक्त मानवबल की जरूरत होगी। सरकार की ओर से जो निर्देश दिए जाएंगे, उनका पालन किया जाएगा।

छात्रों ने कहा...

नशे पर लगाम लगाने के लिए सामान की चेकिंग करने का फैसला ठीक है, लेकिन इसमें छात्रों की निजता का ध्यान रखा जाए। - रितुराज चौधरी, छात्र, भाषा विश्वविद्यालय

प्राक्टोरियल बोर्ड की तरफ से समय-समय पर हॉस्टल की जांच होती है। अब अगर आने वाले सामान की जांच गेट पर भी होगी तो ऐसी कोई समस्या नहीं है। -अर्जुन प्रजापति, छात्र, लविवि

धरातल पर उतारने में कानूनी उलझनें भी

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र आर्यन कुशवाहा ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सभी को निजता का अधिकार है। अगर कोई छात्र इस अधिकार के तहत सामान चेक नहीं कराना चाहता है तो उस पर फैसला थोपा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार का फैसला स्वागत योग्य है, लेकिन इसे धरातल पर उतारने में कानूनी उलझनें भी संभव हैं।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पुरुष छात्रावास के प्रोवोस्ट डॉ. ऊधम सिंह ने बताया कि हॉस्टल में औचक निरीक्षण किया जाता है। सरकार के निर्देशों का पालन छात्रों की सहूलियत को देखते हुए किया जाएगा। वहीं महिला छात्रावास की प्रोवोस्ट प्रो. तश्वीर ने कहा कि सरकार के निर्देशों का अनुपालन होगा।

डॉ. शकुंतला मिश्रा नेशनल रिहैबिलिटेशन यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने कहा कि छात्रों की एंट्री के समय बैग सहित चेकिंग नियमित तौर पर होती है। इसके साथ ही जो दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे, उनका पालन किया जाएगा।

HTC

DESPITE SOCIAL MEDIA BUZZ, LU DENIES HOSTEL MESS FEE HIKE

LUCKNOW : The Lucknow University administration on Saturday denied reports of a hike in hostel mess fees, terming the buzz over social media as misleading and incorrect.

In an official clarification, the university said no fee hike has been made in the mess charges. According to the university, the apparent difference in fee figures is due to a revision in refundable caution money.

For boys, the amount shown as Rs 37,738 to Rs 40,000 and for girls, Rs 29,192 to Rs 32,000 includes an increase in caution money from Rs 2,000 to Rs 3,000. The university clarified that this Rs 1,000 increase is fully refundable and will be returned to students at the time of leaving the hostel/mess. Therefore, it cannot be considered as an actual fee hike, spokesperson prof Mukul Srivastava said.

As for the remaining difference, the university said it will be adjusted as per the official rates to be approved in the upcoming new mess tender, as per rules, said the spokesperson.

Besides, the university administration has clarified that hostel fees for the current session will have to be deposited in one go (lump sum). If any student faces difficulty in depositing the full fee at once, he/she can get permission to pay in two installments by submitting an application. The student will have to send his/her application through the Provost to the 'Hostel Allotment Committee' which will be followed by a scrutiny and approval - if the student's problem is found to be genuine, the application will be forwarded to the vice-chancellor. Permission to deposit the fee in two installments will be granted only after approval from the vice-chancellor, Srivastava said. HTC

I NEXT

एलयू को कराटे चैंपियनशिप की मिली मेजबानी

LUCKNOW (8 Aug): लखनऊ विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टग आफ वार मेन-वीमेन व कराटे मेन-वीमेन चैंपियनशिप 2026-27 की मेजबानी करेगा.

कई सुविधाएं दी जाएंगी

वीसी प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगा. प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों व निर्णायकों के लिए आवास, भोजन, चिकित्सा, परिवहन, खेल मैदान एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं दिलाई जाएंगी. क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने कहा कि इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी से एलयू के खिलाड़ियों को देशभर के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और उनसे सीखने का अवसर मिलेगा.

I NEXT

क्लीनिकल ट्रेनिंग पर काम करेंगे लोहिया और एलयू

LUCKNOW (8 Aug): लोहिया संस्थान और लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के बीच फिजियोथेरेपी विद्यार्थियों के क्लीनिकल ट्रेनिंग एवं व्यावहारिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एमओयू पर शनिवार को साइन किए गए. इस सहयोग के तहत स्टूडेंट्स को पीएमआर, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, इमरजेंसी मेडिसिन सहित विभिन्न विभागों में पर्यवेक्षित क्लीनिकल ट्रेनिंग मिलेगी. ट्रेनिंग में मरीजों का मूल्यांकन, रिहैबिलिटेशन योजना, क्लीनिकल डॉक्यूमेंटेशन, संक्रमण नियंत्रण और साक्ष्य आधारित अभ्यास पर विशेष जोर रहेगा.

NBT

LU में 'हार्वर्ड स्टाइल' MBA

एलयू की ओर से अब एमबीए के सिलेबस में हार्वर्ड की केस स्टडी को किया गया शामिल, यूपी का पहला राज्य विवि जहां इसे पढ़ाया जाएगा

Zeeshan.Rayini@timesofindia.com

खरीदी जाएंगी केस स्टडीज

मैनेजमेंट हेड प्रो. रितु नारंग के मुताबिक

दोनों कैंपस में अब कॉमन सिलेबस, AI भी जुड़ा

LU में 'टेक और लॉ' का क्रेज

NBT रिपोर्टर, लखनऊ

BBA, LLB में 200 सीटों पर 800 से ज्यादा दावेदार

BA में रिकॉर्ड आवेदन

सीट फुल

प्लेसमेंट पर भी फोकस

AMAR UJALA

लविवि : मेस शुल्क घटाया नहीं, कॉशन मनी बढ़ाई

लखनऊ। लविवि प्रशासन ने हॉस्टल मेस शुल्क में कोई कमी नहीं की है, लेकिन विद्यार्थियों पर अतिरिक्त कॉशन मनी का बोझ जरूर डाल दिया है। विवि की ओर से शनिवार दी गई जानकारी के मुताबिक छात्रों के लिए कुल शुल्क 37,738 रुपये से बढ़कर 40,000 रुपये प्रदर्शित हो रहा है। छात्राओं के लिए यह शुल्क 29,192 रुपये से बढ़कर 32,000 रुपये हो गया है। इस अंतर का मुख्य कारण वापसी योग्य कॉशन मनी में संशोधन है। कॉशन मनी को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये किया गया है। यह 1,000 रुपये की वृद्धि पूरी तरह से वापसी योग्य है। इसे वास्तविक शुल्क वृद्धि नहीं माना जा सकता है। छात्रों के कुल शुल्क में 2,262 रुपये की वृद्धि दिख रही है। छात्राओं के कुल शुल्क में 2,808 रुपये की वृद्धि हुई है। इस वृद्धि में 1,000 रुपये की कॉशन मनी शामिल है। प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव का कहना है कि कॉशन मनी के अलावा शेष अंतर की राशि का समायोजन आगामी नए मेस टेंडर की स्वीकृत दरों के अनुसार किया जाएगा। (संवाद)

फिजियोथेरेपी छात्रों को मिलेगा प्रशिक्षण

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के बीच फिजियोथेरेपी विद्यार्थियों के क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। पांच वर्षीय समझौते के तहत छात्रों को लोहिया संस्थान के पीएमआर, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक्स और इमरजेंसी मेडिसिन विभागों में पर्यवेक्षित प्रशिक्षण मिलेगा। इसमें रोगी मूल्यांकन, रिहैबिलिटेशन योजना, क्लीनिकल डॉक्यूमेंटेशन, संक्रमण नियंत्रण और साक्ष्य आधारित अभ्यास पर जोर रहेगा। निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण से छात्रों के कौशल और रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

VOICE OF LUCKNOW

सत्यांश वर्मा ने यूपीएससी सीएपीएफ में हासिल की 85वीं रैंक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी शोधार्थी सत्यान्श वर्मा ने यूपीएससी सीएपीएफ परीक्षा में ऑल इंडिया 85वीं रैंक (एआईआर85) हासिल कर सफलता का परचम लहराया है। सत्यान्श वर्ष 2023-24 सत्र में प्रो. प्रीति अवस्थी (अवध गर्ल्स डिग्री कालेज) के निर्देशन में अपना शोध कार्य कर रहे हैं।

SWATANTRA BHARAT

कैडेट राघव बने सैन्य अधिकारी

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय के कैडेट व लखनऊ विश्वविद्यालय के बी एस. सी. तृतीय वर्ष के छात्र राघव बाजपेयी ने संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा द्वितीय, 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर 229वीं रैंक प्राप्त कर सेना में कमीशन अधिकारी के रूप में चयनित हो कर बटालियन व लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अपने परिवार का नाम गौरवान्वित किया। उनकी सफलता ने न केवल बटालियन और विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है, बल्कि अन्य कैडेटों को भी भारतीय सशस्त्र सेनाओं में अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया है। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने उनको बधाई प्रेषित की साथ ही 64 बटालियन के असोसिएट एनसीसी ऑफिसर ले. (डॉ) रजनीश कुमार यादव ने बधाई दी।

AMRIT VICHAR

लविवि ने मेस की फीस में बढ़ोत्तरी का किया खंडन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दो किस्तों में फीस जमा करने के लिए देना होगा प्रार्थना पत्र

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रावास में संचालित मेष की फीस बढ़ोतरी को लेकर खंडन जारी किया है। विश्वविद्यालय का कहना है कि मेस की फीस में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन के संज्ञान में आया कि विश्वविद्यालय के हॉस्टल मेस शुल्क में वृद्धि किए जाने से संबंधित भ्रामक व भ्रमपूर्ण सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मेस शुल्क में किसी भी प्रकार की कोई फीस वृद्धि नहीं की गई है।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक स्पष्टीकरण के अनुसार फीस संरचना में छात्रों के लिए शुल्क 37,738 से 40 हजार रुपये एवं छात्राओं के लिए शुल्क 29,192 से 32 हजार रुपए है। इस अंतर में कॉशन मनी को 2 हजार से बढ़कर 3 हजार किया गया है। यह 1 हजार की वृद्धि पूरी तरह से रिफंडेबल है, जो छात्र-छात्राओं को हॉस्टल और मेस छोड़ते समय वापस कर दी जाती है। इसे वास्तविक शुल्क वृद्धि नहीं माना जा सकता।

आगामी टेंडर दरों के अनुसार समायोजन

- कॉशन मनी के अलावा शेष अंतर की राशि का समायोजन आगामी नए मेस टेंडर में स्वीकृत होने वाली आधिकारिक दरों के अनुसार नियमानुसार कर दिया जाएगा।

लविवि में होगा आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टग ऑफ वॉर

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय को भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टग ऑफ वॉर मेन, वीमेन तथा कराटे मेन, वीमेन चैंपियनशिप 2026-27 की मेजबानी करेगा। देशभर के विश्वविद्यालयों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करने वाली इन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय में किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे और टग ऑफ वॉर तथा कराटे में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव का विषय है। विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने कहा कि इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी से लखनऊ विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को देशभर के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और उनसे सीखने का अवसर मिलेगा।

DAINIK JAGRAN

कराटे चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा लवि

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टग आफ वार मेन-वीमेन व कराटे मेन-वीमेन चैंपियनशिप 2026-27 की मेजबानी करेगा। इस चैंपियनशिप में देशभर के विश्वविद्यालयों के खिलाड़ी शामिल होंगे।

लवि के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगा। प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों व निर्णायकों के लिए आवास, भोजन, चिकित्सा, परिवहन, खेल मैदान एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं दिलाई जाएंगी। आयोजन को सफल व सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने कहा कि इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी से लखनऊ विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को देशभर के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और उनसे सीखने का अवसर मिलेगा।

VOICE OF LUCKNOW

64 यूपी बटालियन एनसीसी लविवि के कैडेट राघव बने सैन्य अधिकारी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय के कैडेट व लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी तृतीय वर्ष (भौतिक विज्ञान स्टेटसटिक्स) के छात्र राघव बाजपेयी ने संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा-द्वितीय, 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर 229वीं रैंक प्राप्त कर सेना में कमीशन अधिकारी के रूप में चयनित होकर बटालियन व लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अपने परिवार का नाम गौरवान्वित किया।

कैडेट राघव बाजपेयी को 20 अप्रैल 2026 को 32 सेवा चयन बोर्ड, जालंधर में आयोजित सेवा चयन प्रक्रिया के दौरान अनुशंसित किया गया। उनका चयन गैर-तकनीकी प्रवेश श्रेणी के अंतर्गत हुआ। कैडेट राघव बाजपेयी इससे पूर्व भी राष्ट्रीय स्तर की रक्षा प्रवेश परीक्षाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्हें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी 153वीं प्रवेश परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 501वीं रैंक तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी 154वीं प्रवेश परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 566वीं रैंक के साथ सेवा चयन के लिए अनुशंसित किया गया था। लगातार विभिन्न रक्षा प्रवेश परीक्षाओं में अनुशंसित होना कैडेट राघव बाजपेयी की निरंतरता, दृढ़ संकल्प और अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

उनकी उपलब्धि एनसीसी कैडेटों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने उनको बधाई प्रेषित की साथ ही 64 बटालियन के असोसिएट एनसीसी ऑफिसर ले. (डॉ) रजनीश कुमार यादव ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी।

UNIVERSITY NEWS 09 AUGUST 2026

VOICE OF LUCKNOW

लोहिया संस्थान व लविवि में एमओयू

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के बीच फिजियोथेरेपी विद्यार्थियों के क्लीनिकल प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के तहत विद्यार्थियों को पीएमआर, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, इमरजेंसी मेडिसिन सहित विभिन्न विभागों में पर्यवेक्षित क्लीनिकल प्रशिक्षण मिलेगा। प्रशिक्षण में रोगी मूल्यांकन, रिहैबिलिटेशन योजना, क्लीनिकल डॉक्यूमेंटेशन, संक्रमण नियंत्रण और साक्ष्य –आधारित अभ्यास पर विशेष जोर रहेगा। पांच वर्षीय यह समझौता योग्यता आधारित प्रशिक्षण, अतः –विषय अधिगम, संकाय सहभागिता एवं नियमित मूल्यांकन को बढ़ावा देगा और विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय तृतीयक चिकित्सा संस्थान में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा।

SWATANTRA BHARAT

प्रशिक्षण के लिए लविवि और डॉ. आरएमएल के बीच एमओयू

स्वतंत्र भारत संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान (डॉ. आरएमएलआईएमएस) के बीच फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को क्लिनिकल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के अवसर उपलब्ध कराने के लिए शनिवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी के नेतृत्व में की गई। एमओयू पर डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) सीएम सिंह, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वरिंदर सिंह गोगई, लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा तथा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी) के विद्यार्थियों को आरएमएलआईएमएस के ओपीडी, आईपीडी, इमरजेंसी, आईसीयू, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, प्रसूति एवं स्त्री रोग तथा फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन विभागों में क्लिनिकल प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय, नेशनल कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स (एनसीएएचपी) तथा अन्य संबंधित वैधानिक संस्थाओं के निर्धारित मानकों के अनुरूप होगा। आरएमएलआईएमएस के निदेशक प्रो. (डॉ.) सीएम सिंह ने कहा कि दोनों संस्थान इंटरडिसिप्लिनरी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान को संयुक्त रूप से बढ़ावा देंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण क्लिनिकल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में सहयोग का आश्वासन दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने सहयोग के लिए संस्थान के निदेशक एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि इस साझेदारी से विद्यार्थियों को उत्कृष्ट व्यावहारिक अनुभव, अनुसंधान के अवसर और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ने का मंच मिलेगा। इस अवसर पर डॉ. शैली महाजन, डॉ. भुवन चंद्र तिवारी व डॉ. रोहित सिंह मौजूद थे।

SWATANTRA BHARAT

लखनऊ विश्वविद्यालय : मेस फीस बढ़ोतरी की खबरें भ्रामक

स्वतंत्र भारत संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने हॉस्टल की मेस फीस में बढ़ोतरी किए जाने संबंधी खबरों का खंडन किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मेस शुल्क में किसी प्रकार की फीस वृद्धि नहीं की गई है।

प्रशासन के अनुसार छात्रावास शुल्क की प्रदर्शित राशि में अंतर मुख्य रूप से रिफंडेबल कॉशन मनी में संशोधन के कारण है। छात्रों के लिए यह राशि 37,738 रुपये से बढ़कर 40,000 रुपये और छात्राओं के लिए 29,192 रुपये से बढ़कर 32,000 रुपये प्रदर्शित हो रही है। इसमें कॉशन मनी 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये की गई है। प्रशासन के मुताबिक बढ़ी हुई 1,000 रुपये की राशि पूरी तरह रिफंडेबल है और हॉस्टल/मेस छोड़ते समय छात्र-छात्राओं को वापस कर दी जाएगी। इस प्रकरण में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कॉशन मनी के अतिरिक्त शेष अंतर की राशि का आगामी नए मेस टेंडर में स्वीकृत होने वाली आधिकारिक दरों के अनुसार नियमानुसार समायोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे मेस फीस बढ़ोतरी से संबंधित भ्रामक खबरों व अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रशासन के अनुसार वर्तमान सत्र की हॉस्टल फीस एकमुश्त जमा की जानी है। हालांकि, जिन छात्रों को पूरी फीस एक साथ जमा करने में परेशानी है, वे दो किश्तों में भुगतान की अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए छात्र को प्रोवोस्ट के माध्यम से आवेदन हॉस्टल अलॉटमेंट कमेटी को भेजना होगा। उचित पाए जाने पर आवेदन कुलपति के अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा और कुलपति की स्वीकृति के बाद ही दो किश्तों में फीस जमा करने की अनुमति मिलेगी।

AAJ

क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए एमओयू

लखनऊ। डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ और लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के बीच फि जियोथेरेपी विद्यार्थियों के क्लीनिकल प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के तहत विद्यार्थियों को पीएमआर, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, इमरजेंसी मेडिसिन सहित विभिन्न विभागों में पर्यवेक्षित क्लीनिकल प्रशिक्षण मिलेगा।